

नवभारत

| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी| प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

लोकसभा में पारित लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 केवल एक कानूनी संशोधन नहीं है, बल्कि देश की परीक्षा व्यवस्था में लगातार बढ़ते अविश्वास को दूर करने की एक गंभीर कोशिश भी है. पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने लाखों युवाओं के सपनों को झटका दिया है. वर्षों की मेहनत कुछ मिनटों की आपराधिक साजिश की भेंट चढ़ जाती थी. ऐसे में सरकार द्वारा कानून को और अधिक कठोर बनाना समय की मांग भी थी और व्यवस्था की आवश्यकता भी. संशोधन के तहत व्यवितगत अपराधियों के लिए सजा को बढ़ाकर 5 से 10 वर्ष तक की जेल तथा 50 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है. वहीं संगठित पेपर लीक गिरोहों के लिए न्यूनतम 7 वर्ष की सजा और 10 करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान स्पष्ट संदेश देता है कि अब इस अपराध को सामान्य आर्थिक

पेपर लीक कानून ; भरोसे की बहाली का अवसर

अपराध नहीं माना जाएगा . परीक्षा आयोजित करने वाली निजी एजेंसियों और उनके वरिष्ठ अधिकारियों को भी सीधे जवाबदेह बनाया गया है. यह महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि कई मामलों में केवल बिचौलियों पर कार्रवाई होती थी, जबकि संस्थागत जिम्मेदारी तय नहीं हो पाती थी.

इस संशोधन का सबसे प्रभावी पक्ष समयबद्ध जांच और न्यायिक प्रक्रिया है. दो महीने में जांच पूरी करने, विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों के गठन और तीन महीने के भीतर फैसले की व्यवस्था से यह उम्मीद जमी है कि वर्षों तक लंबित रहने वाले मामलों का शीघ्र निपटारा होगा. न्याय तभी प्रभावी माना जाता है जब वह समय पर मिले. यदि दोषियों को जल्दी सजा मिलेगी तो इसका निवारक प्रभाव भी अधिक होगा. उच्च कि अब इस अपराध को सामान्य आर्थिक

समय-सीमा तय करना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है.

हालांकि केवल कानून कठोर कर देने से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी. पेपर लीक को नेटवर्क तकनीकी कनेजोरियों, भ्रष्टाचार, आंतरिक मिलीभगत और सुरक्षा प्रबंधन की खामियों का लाभ उठता है. इसलिए परीक्षा प्रणाली में डिजिटल सुरक्षा, एंकिप्टेड प्रश्नपत्र वितरण, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, कर्मचारियों का सत्यापन और आधुनिक साइबर सुरक्षा तंत्र को भी समान प्राथमिकता देनी होगी. राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय तथा खुफिया एजेंसियों की सक्रिय भूमिका भी आवश्यक होगी. यह भी ध्यान रखना होगा कि जांच की गति बढ़ाने के नाम पर किसी निदोष व्यक्ति के अधिकारों की अनदेखी न हो. कानून का उद्देश्य

कठोर दंड के साथ निष्पक्ष जांच और पारदर्शी न्याय सुनिश्चित करना होना चाहिए . दोषियों के विरुद्ध सख्ती और निदोषों के प्रति संवेदनशीलता, दोनों लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्तें हैं.

देश में करोड़ों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं को अपने भविष्य का सबसे बड़ा माध्यम मानते हैं . उनकी मेहनत, इमानदारी और विश्वास की रक्षा करना सरकार और संस्थाओं की सर्वोच्च जिम्मेदारी है. यह संशोधन विधेयक उसी विश्वास को पुनर्सथापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. अब वास्तविक चुनौती इसके प्रभावी और निष्पक्ष क्रियान्वयन की है . यदि कानून का पालन पूरी दृढ़ता से हुआ, तो न केवल पेपर लीक मोफिया पर अकुश लगेगा, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता भी मजबूत होगी. अंततः यही किसी भी लोकतांत्रिक और योग्यता-आधारित व्यवस्था की सबसे बड़ी सफलता होगी .

नये भारत का नया अंदाज लिये आंदोलन का समापन



राजीव खंडेलवाल
(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बेतुत सुधार न्यास)

केंद्रीय मंत्रियों जे.पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में संयुक्त प्रेस वार्ता कर आंदोलन समाप्ति की घोषणा की. देश ने राहत की सांस ली.

छत्रपति संभाजी नगर (महाराष्ट्र) के एक युवा अभिजीत दिपके द्वारा सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर शुरू किया गया यह अभियान आरंभ से लेकर समापन तक अनेक अप्रत्याशित घटनाओं, विचित्रताओं, आश्चंकाओं, नेतृत्व परिवर्तन, जनसमर्थन और राजनीतिक बहसों का केंद्र बना रहा. इस आंदोलन ने न केवल अनेक स्थापित धारणाओं को चुनौती दी, बल्कि लोकतांत्रिक आंदोलनों की भाषा, परिभाषा व वैशभूपाएं बदलने की दिशा में अप्रसर हुआ. उच्चतम न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायाधिपति सूर्यकांत के द्वारा 15 मई को एक फर्जी लॉ ड्रिपी और सीनियर एडवोकेट पदनाम से जुड़ी सुनवाई के दौरान युवाओं पर की गई मौखिक टिप्पणी बेरोजगार कॉकरोच की तरह होते हैं, जिन्हें

भाजपा को इस आंदोलन को दो अंतराल के दो रूप को देखकर उसके अंतर को समझना होगा. प्रारंभिक चरण में 20 जुलाई के लाठी चार्ज से पहले तक आंदोलन देशव्यापी होने के बावजूद विशुद्ध रूप से विपक्षी दलों का रहा, जिसमें सामान्य निष्पक्ष नागरिकों की भागीदारी अल्प थी . लेकिन लाठी-चार्ज धक्का मुक्की, लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार के वीडियो वायरल होने पर भाजपा का बड़ा समर्थक वर्ग, जो अभी तक कॉकरोच आंदोलन में शामिल नहीं था और जो श्री राम मंदिर चढ़ावा कांड से भी बहुत नाखुश नहीं हुआ था, वह भी विचलित होकर आंदोलन में शामिल हो गया . इसका एक संकेत जोमेटो स्विगी कम्पनी द्वारा देश भर से जंतर –मंतर तक इतनी मात्रा में खाना पहुंचाया गया कि आंदोलनकर्ताओं को मना करना पड़ा. आंदोलनों के इतिहास में यह पहली बार हुआ . सामान्यतः ऐसी व्यवस्था स्थानीय स्तर पर ही होती रही हैं .

नौकरी नहीं मिलती है, वे मीडिया, सोशल मीडिया व आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला खड़ा करते हैं ने बवंडर खड़ा कर दिया. फलस्वरूप आले दिन 16 तारीख को एक युवा दलित अभिजीत दिपके ने व्यंग्यात्मक ऑनलाइन मूवमेंट शुरू करने के लिए विशुद्ध गैर राजनीतिक कॉकरोच जनता पार्टी (व्ब्रच) के गठन की घोषणा की. विश्व इतिहास में सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर बनी सीजेपी पहली पार्टी.

जस्टिस सूर्यकांत द्वारा उक्त टिप्पणी से उत्पन्न बवाल होने के बाद दिए गए स्पष्टीकरण के बावजूद कॉकरोच कहने पर प्रतिक्रिया स्वरूप एक भारतीय नागरिक अभिजीत दिपके द्वारा अमेरिका के बोस्टन शहर से 16 मई को इंस्टाग्राम पर किए गए आवाहन की अनुक्रिया (रिस्पांस) में ऐतिहासिक 2 करोड़ 80 लाख लोगों का

समर्थन, शायद विश्व में पहली बार इंस्टाग्राम पर हुआ. 3 जून को भारत वापस लौटकर पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर मंतर पर 6 जून को प्रदर्शन करने की घोषणा की.

20 जून से जनता मंतर पर आंदोलन प्रारंभ होने के बाद अचानक 28 जून को लद्दाख के प्रसिद्ध पर्यावरणविद, शिक्षा सुधारक, सामाजिक कार्यकर्ता व अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त सोनम वांगचुक के स्व:प्रेरण से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक अनशन पर बैठने से आंदोलन को गति मिली और वांगचुक इस आंदोलन के नेतृत्वकर्ता हो जाते हैं. प्रारंभ में आंदोलन मात्र तीन चार हजार लोगों तक ही सीमित रहा.

सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ने पर 16 जुलाई को एक याचिका दिल्ली उच्च

+ महाकौशल की डायरी

अपने ही मंत्री से नाराज हो गये विधायक ...



अविनाश दीक्षित

अपने बेबाक बयानों के लिए पहचाने जाने वाले प्रदेश के पूर्व मंत्री व जबलपुर के पाटन से विधायक अजय विश्नोई ने अपनी ही पार्टी के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह पर निशाना साधा तो चर्चाओं का बाजार सरगमं हो गया. सोशल

मीडिया में पोस्ट करते हुए विधायक ने लिखा है कि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह द्वारा जबलपुर- पाटन सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को शासन से स्वीकृति नहीं दिलवाई गई है क्योंकि ये उनकी प्राथमिकता में नहीं है. चर्चा है कि लोक निर्माण मंत्री से कोई संतुष्टीपूर्ण जवाब नहीं मिला तो विधायक ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दरवाजा खटखटाया और उनसे मुलाकात कर एक पत्र सौंपा जिसमें मांग की गई कि जबलपुर-पाटन एवं पाटन-मनकेड़ी सड़क के निर्माण कार्य, चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य जल्द कराया जाए.

विधायक के अनुसार जबलपुर-पाटन सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की योजना को प्रदेश सरकार के बजट में शामिल किया जा चुका है, फिर भी यह सड़क लोक निर्माण मंत्री की प्राथमिकता में नहीं है, ये अपने आप में एक बड़ा साफल्य है. बतकही है कि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की कार्यशैली की शिकायत

विधायक के तेवर और प्राधिकरण ...

पिछले दिनों जबलपुर के शताब्दीपुरम एमआर-4 रोड के पास वर्षों से जमी अवैध झुग्गी झोपड़ियाँ और दुकानों के कब्जे, अवैध कब्जों को हटाने से जुड़ी सुर्खियां बटोर गईं. दरअसल हाईकोर्ट के निर्देश पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जबलपुर विकास प्राधिकरण ने संयुक्त रूप से कार्यवाई करते हुए अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई शुरू की थी. मामले में उत्तर मध्य विधायक चाहते तो जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन से सामान्य चर्चा कर बारिश में हो रही अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई को रोक सकते थे लेकिन श्रेय लेने के चक्कर में महोदय ने सार्वजनिक रूप से अपनी ही पार्टी के सदस्य पर अपरोक्ष निशाना साधा और जबलपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाते हुए कह दिया कि नौटंकी चल रही है क्या ये जेडीए कीविधायक के तेवर के मद्देनजर अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई रुक गई. इस वाक्ये के बाद सोशल मीडिया में चर्चाएं सरगमं हुई कि गरीबों से दिली लगाव के चलते विधायक अभिलाष पांडे के हस्तक्षेप के बाद ही गरीबों को राहत मिली है लेकिन कुछ समय बाद हकीकत कुछ और ही निकली . खबर सामने आई कि हाईकोर्ट से आदली सुनवाई तक अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई रोकने के आदेश जारी किए गए हैं .इसके बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का स्वरूप बदल गया, कमेंट सामने आने लगे कि विधायक महोदय कम से कम यहां तो श्रेय लेने की राजनीति न करें , यद्यपि विधायक समर्थक पोस्टर बाजी कर अपने बाँस को गरीबी का मसीहा बनने की कोशिश में लगे रहे . उधर भगवादल के ही कुछ कार्यकर्ता विधायक अभिलाष पांडे के उपरोक्त किरदार को राजनैतिक स्टेट निरूपित करते सुने गये . सियासी चरमधारियों को लगा कि इस विषय को लेकर जेडीए अध्यक्ष और विधायक आमने सामने होंगे, एक तरफ विधायक का सख्त रुख और दूसरी तरफ जेडीए अध्यक्ष की सादगी भरा जवाब कि जो भी कार्रवाई हो रही है वह हाईकोर्ट के निर्देश पर हो रही है. से सभी के मंसूखे धरे के धरे रह गये . फ़िलहाल कार्रवाई पर विराम लग चुका है, परन्तु इस बात से साफ हो गया है की भाजपा की अंदरूनी राजनीतिक किस करवट जा रही है. चर्चाएं तो ये भी हुई कि विधायक अभिलाष पांडे चाहते थे कि जेडीए अध्यक्ष की कमान उनके चहेते को दी जाए लेकिन संगठन द्वारा ये कुर्सी दूसरे को दे दी गई जिसके बाद विधायक को जेडीए के प्रति भड़ास निकालने का मौका मिला और फिर जो हुआ वो सभी के सामने ही गया .

निशानेबाज

धर्मेंद्र प्रधान का शानदार सत्कार एनडीए सांसदों ने दिखाया दुलार



धार्मिक समारोह में साधु जैसा परिधान पहन लें तो उन्हें संत प्रधान भी कहा जा सकता है. चाहे पंत हों या संत, उनके भक्तों की देश में कोई कमी नहीं है. '

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हम पूर्व शिक्षामंत्री धर्मेंद्र

एक ही बारिश ने खोली सड़कों की पोल

जब एक दिन की बारिश सड़कों को नदी और अंडरपास को रिवमिंग पूल बना दे, तो टाउन प्लानिंग की पोल खुल जाती है. सीमेंट रोड बनाने से पहले पुरानी डामर की सड़क की गहरी खुदाई नहीं की गई. ऊपर की परत खुरचकर सीमेंट कंक्रीट चढ़ा दिया गया. नतीजा यह निकला कि घर नीचे रह गए और सड़क ऊंची हो गई. ऐसे में लोगों के मकानों-दुकानों, बस्तियों में पानी घुसेगा ही! न तो स्लोले सही है न पानी निकासी या ड्रेनेज की उचित व्यवस्था है. इसलिए सड़कें लबाबवर बन जाती हैं. स्कूल के बच्चों को भी फायरब्रिगेड कर्मियों की मदद से बाहर निकालने की नौबत आ गई. विभिन्न विभागों का समायोजन न रहने से बार-बार सड़कें खोदी जाती रहीं. अब जाकर तय हुआ है कि पहले पेयजल, सीवरलाइन और केवल बिछ देगें तब सीमेंट रोड बनाएगें ताकि बार-बार खुदाई न करनी पड़े. कितनी ही बस्तियों में गड्ढों के बीच सड़क खोजनी पड़ती है. मेनहोल के सीमेंट वाले ढक्कन इतने कमजोर हैं कि कभी भी टूट जाते हैं. ऐसा है तो लोहे के ढक्कन लगाए जाएं. कहीं भी



टिकाऊ रह सकता कनाडा की सड़कें बर्फीले तूफान को और जापान की सड़कें भूकंप को बर्दाश्त कर लेती हैं. हमारे देश में तो एक अजीब सा पूल 90 डिग्री के कोण का बनाया गया था, जहां वाहन को स्वतंत्र ऑडिट होना चाहिए. कौली सूची में डाले गए टेकेदारों को काम नहीं देना चाहिए. दोषपूर्ण निर्माण के लिए जुर्माना लगाया जाए तो काम सही तरीके से होने लगेगा.

संपादकीय बोर्ड

| प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदीशब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD

12335

- डॉ. सागर खादीवाला

1		3	4	5	6
7		8	9	10	
		11			
		12			13
14			15	16	
17		18	19		
	20	21	22	23	
24			25		

बाएं से दाएं

1. नंदवंशीय अंतिम सम्राट महानंद का प्रधानमंत्री जिसे अपनी ओर करके चाणक्य ने नंदवंश का नाश किया 4. यत्नपूर्वक (सं.) 7. एक देवयोगिन 8. नुकसान, हानि 10. मां का भाई 11. गिनने वाला 12. हाथ (सं.) 13. ईश्वर, बकरा, स्वयंभू (सं.) 14. कर्णाभूषण, कर्णफूल 15. विषय वस्तु, लेख 17. मनुष्य, पुरुष जाति का 19. हिंदुओं के आराध्य 20. 48 मात्राओं वाला एक छंद 22. नाड़ी, मानवी 24. नृत्य करना 25.

Solution 12334

बा	द	शा	ह	आ	मु	ख
रू	ह	सी	मा	शु	रु	
द	न	द	ना			आ
		र			इ	का
प्रा	ध	मि	क		क	स
ण		या	च	क	ता	
श	न		म	रा	प	ना
न	टी		सू	म	ता	व

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में वाहन का सुख मिलेगा. व्यय पर नियंत्रण रखें. शिक्षा और प्रतियोगिता में यात्रा होगी. सफ़्फ़ता के योग है. सामाजिक ख्याति प्राप्त होगी. वर्ष के अंत में सिरदे द या अनिद्रा जैसे रोगों से परेशानी होगी. व्यर्थ की भागदौड़ एवं व्यस्तता से दिमागी उलझन रहेगी. चल-अचल संपत्ति के कार्यों में व्यस्तता रहेगी.

मेघ और बुध्दिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा. वृष और तुला

मेघ- आपने कार्यों को समय पर पूरा करने का प्रयास करें, मनोरंजन में समय व्यतीत होगा. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. घरेलू विवादों की अनदेखी न करें. **वृषभ-** पारिवारिक दृष्टि से दिन मध्यम होंगे. रक्त संभावना है. विरोधी कामकाज बिगाड़ने की चेष्टा करेंगे. पुन्य व्यक्ति की सलाह हितकर रहेगी. **मिथुन-** व्याप प्रतियोग में कमी आयेगी खर्च बढ़ने से पैसों का इंतजाम करना होगा. धार्मिक कार्यों में लगन रहेगी. सम्मान में वृद्धि होगी. **संयोग** रखें. **कर्क-** व्यापार व्यवसाय मध्यम रहेगा. नई योजनाओं का श्रौंगणन होगा. अतिथि वृषभ्रमण का योग है. संपत्ति संबंधी विवादों का समाधान होगा.

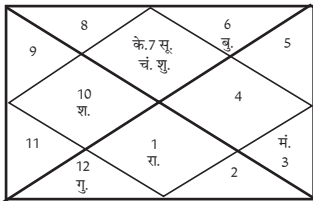
सिंह- भौतिक सुख साधनों में रूचि बढ़ेगी. विरोधियों से सतर्क रहकर कार्य करें. आय व्यय में संतुलन रहेगा. कार्यों में रूचि रहेगी. **कन्या-** व्यापार लाभदायक रहेगा. परिवार में सुख शांति रहेगी. सम्मान मिलेगा. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा. मनोवांछित सफ़्फ़ता प्राप्त होगी. **तुला-** कार्यक्षेत्र विस्तृत होगा. व्यवसायिक बाधाएँ दूर होंगी. जीवनसाथी का कार्य अच्छा और सहयोगी रहेगा. पारिवारिक कार्यों में रूचि रहेगी. **वृश्चिक-** कानूनी मामलों में समय का ध्यान रखें. नौकरी में सफ़्फ़ता मिलेगी. दैनिक कार्य में यश प्राप्त होगा. प्रियजनों से विवाद को टालना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान चतुर चंचल मिलनसार और परोपकारी होगा. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. निर्णय लेने में अग्रणी एवं सक्षम होगा. किसी के अधिनस्थ कार्य करना पसंद नहीं करेगा.

धनु- सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा, नए संबंध बनेंगे, अनुवांशों का लाभ मिलेगा. शुभ समाचार प्राप्त होंगे. मान सम्मान में वृद्धि होगी. मनोबल बना रहेगा. **मकर-** पुरुषार्थ का प्रतिष्ठित मिलेगा, धैर्य आपको उन्नति की पराकाष्ठा पर ले जायेगा. वाद विवाद से दूर रहें. आकस्मिक लाभ का योग प्रबल है. **कुम्भ-** अवर्धक स्थिति अच्छी रहेगी. विरोधियों से सतर्क रहें, जल्दवाजी में कार्य न करें. अभीष्ट की प्राप्ति होगी. नौकर चाकरों का सहयोग प्राप्त होगा. **मीन-** परिवार में शुभ कार्यों का निर्णय होगा. मानसिक अस्थिरता दूर करें. पुराना कार्य बन्ने का योग है. शुभ सूचना प्राप्त होगी. प्रापटी संबंधी कार्यों में बचना चाहिए.

उदयकालीन ग्रह चाल



पंचांग

रा.मि. 09 संवत् 2083 श्रावण कृष्ण द्वितीया भृगुवासरे रात 9/18, धनिष्ठा नक्षत्रे रात 7/26, सौभाग्य योगे रात 12/44, तैत्तिल करणे सू.उ. 5/24, सू.अ. 6/36, चन्द्रचार मकर रात 6/44 से कुम्भ, पर्व- अशुन्यशयन व्रत, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण द्वितीया को धनिष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, अलसी, तिल, गुड़, खांड रूख, कपास में वृद्धि होगी. वायदा विचार आज 1 बजकर 18 मिनट से 25 मिनट के बने रुख पर व्यापार कर लाभ उठाये. भाग्यांक 3723 है.

SUDOKU									7467
		5			3				
	2			9	5				
9						6			
							3	5	
	6						7		
4	8								
	7							3	
		2	4				9		
	8					2			

७ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ७ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ७ पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत संपादक 7467

4	2	5	8	6	1	9	7	3
6	7	3	1	9	4	2	8	5
1	6	9	8	7	3	5	4	2
1	6	2	3	8	9	5	4	7
4	9	4	3	5	1	7	6	8
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5